भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 02 जनवरी, 2026
जारी करने का समय: 1330 घंटे

विषय: (i) अगले 5-7 दिनों के दौरान पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा में रात/सुबह के घंटों में घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत अधिक संभावना है और अगले 4-5 दिनों के दौरान जम्मू, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश और पूर्वोत्तर भारत में भी ऐसा ही रहेगा।
(ii) 02 जनवरी को हिमाचल प्रदेश में; 04 और 05 जनवरी, 2026 को बिहार में कुछ जगहों पर शीत दिवस की स्थिति रहने की बहुत अधिक संभावना है।
(iii) 03 और 04 जनवरी को हिमाचल प्रदेश में; 03-06 जनवरी के दौरान हरियाणा और चंडीगढ़ में; 04-06 जनवरी के दौरान पंजाब में; 08 और 09 जनवरी, 2026 को राजस्थान में कुछ जगहों पर शीत लहर की स्थिति रहने की बहुत अधिक संभावना है।

पिछले 24 घंटों में हुई मौसम गतिविधि (आज 02 जनवरी, 2026 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में घने से बहुत घने कोहरे (दृश्यता <50 मीटर) की स्थिति बनी रही; जम्मू, पंजाब, पश्चिम उत्तर प्रदेश, पश्चिम मध्य प्रदेश, ओडिशा, बिहार के अलग-अलग इलाकों में; घना कोहरा (दृश्यता 50-199 मीटर): पूर्वी मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, राजस्थान, असम और त्रिपुरा के अलग-अलग हिस्सों में छाया रहा।
- मीटर में दृश्यता दर्ज की गई (≤200 मीटर): जम्मू: उधमपुर 0, जम्मू हवाई अड्डा 50; पंजाब: अमृतसर 0, हलवारा 10, बल्लोवाल सौंखरी 80; पश्चिमी उत्तर प्रदेश: आगरा IAF 00, हमीरपुर 20, मोरादाबाद और झाँसी 100; पूर्वी उत्तर प्रदेश: गोरखपुर आईएएफ,कुशीनगर,प्रयागराज आईएएफ,कानपुर(आईएएफ),आजमगढ़ 00 प्रत्येक,फुरसतगंज,फतेहपुर,प्रयागराज,कानपुर(शहर)10 प्रत्येक,बलिया 20,सुल्तानपुर 30,बस्ती,बहराइच,गोरखपुर 40 प्रत्येक,लखनऊ,वाराणसी(बीएचयू),वाराणसी(एपी),गाजीपुर,अयोध्या 50 प्रत्येक,हरदोई 60,फतेहगढ़ 80,एल। खीरी 90 ,चित्रकूट एपी 100 ,अयोध्या 150 ; ओडिशा: ढेंकनाल 10, राउरकेला 50; बिहार: गया, भागलपुर <50 प्रत्येक; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: कूचबिहार 50; हिमाचल प्रदेश: सुंदरनगर 70; उत्तराखंड: खटीमा 75; हरियाणा:भिवानी 50, करनाल 100; पश्चिम राजस्थान: बीकानेर 100, जैसलमेर 50, बाडमेर 200; पूर्वी राजस्थान: उदयपुर100; पश्चिमी मध्य प्रदेश: ग्वालियर 0; पूर्वी मध्य प्रदेश: खजुराहो 100; त्रिपुरा: अगरतला 50; असम: धुबरी 100, गुवाहाटी, डिब्रूगढ़ 150.
- तमिलनाडु में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और अलग-अलग जगहों पर बहुत ज़्यादा भारी बारिश (≥21 सेमी) दर्ज की गई है।
- केरल में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- उत्तराखंड में अलग-अलग इलाकों में ज़मीन पर पाला पड़ने की स्थिति दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनी (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- पश्चिमी विक्षोभ अब उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश और आसपास के इलाकों में निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तरों पर एक ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण के रूप में देखा जा रहा है, जिसके ऊपर मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तरों में लगभग देशांतर 75°E के साथ अक्षांश 33°N के उत्तर में एक ट्रफ बना हुआ है।

- ❖ एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण उत्तर-पश्चिमी बांग्लादेश और उससे सटे उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल पर और दूसरा उत्तर-पूर्वी असम और आसपास के इलाकों में निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तरों पर बना हुआ है।
- ❖ औसत समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर 115 समुद्री मील की मुख्य हवाओं वाली उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम उत्तरी भारत पर बनी हुई है।
- ❖ एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तरों में श्रीलंका के तटों से दूर दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर बना हुआ है और एक ट्रफ इस ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण से निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तरों में आंतरिक तमिलनाडु तक फैला हुआ है।
- ❖ एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तरों में तटीय कर्नाटक पर बना हुआ है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 2 जनवरी को अलग-अलग जगहों पर गरज-चमक के साथ तेज़ हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा) चलने की संभावना है और 2 जनवरी, 2026 को तमिलनाडु में भारी बारिश होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (आज सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान 0°C से नीचे था; हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 0-5°C; पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तरी छत्तीसगढ़ में कुछ जगहों पर 5°-10°C; पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ, ओडिशा, महाराष्ट्र में कुछ जगहों पर; हरियाणा और पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग जगहों पर 10°-15°C था।
- ❖ ओडिशा में अलग-अलग जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-5.0°C से -3.1°C) था और पूर्वी उत्तर प्रदेश, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और बिहार में अलग-अलग जगहों पर सामान्य से कम (-3.0°C से -1.6°C) था। (अनुलग्नक IV देखें)
- ❖ भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 4.5°C नारनौल (हरियाणा) में दर्ज किया गया।

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ अगले 3 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में 2-4°C की धीरे-धीरे गिरावट होने की संभावना है और उसके बाद अगले 4 दिनों तक कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ अगले 24 घंटों के दौरान मध्य भारत में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है; अगले 3 दिनों के दौरान 2-4°C की धीरे-धीरे गिरावट होने की संभावना है और उसके बाद अगले 3 दिनों तक कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ अगले 2 दिनों के दौरान पूर्वी भारत में न्यूनतम तापमान में 2-3°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है, अगले 5 दिनों के दौरान 2-3°C की धीरे-धीरे गिरावट होने की संभावना है।
- ❖ अगले 3 दिनों के दौरान महाराष्ट्र में न्यूनतम तापमान में 2-3°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है और उसके बाद अगले 4 दिनों तक कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ अगले 24 घंटों के दौरान गुजरात में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है; अगले 3 दिनों के दौरान 2-3°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी और उसके बाद अगले 3 दिनों तक कोई खास बदलाव नहीं होगा।

घने कोहरे, शीतलहर और शीत दिवस की चेतावनी:

- ❖ पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में 07 तारीख तक; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 05 तारीख तक; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 05 तारीख तक और 08 और 09 तारीख को; ओडिशा में 06 जनवरी, 2026 तक रात/सुबह के घंटों में कई/कुछ जगहों पर घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है।
- ❖ जम्मू डिवीजन, उत्तरी मध्य प्रदेश में 06 तारीख तक; हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 07 तारीख तक; पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में 08 और 09 तारीख को; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 06-09 तारीख के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 06 और 07 तारीख को; राजस्थान, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल

और सिक्किम में 03 और 04 तारीख को; झारखंड में 05 तारीख तक; ओडिशा में 07 तारीख को; अरुणाचल प्रदेश में 03 तारीख तक और बिहार में 08 जनवरी 2026 तक रात/सुबह के घंटों में अलग-अलग जगहों पर घना कोहरा छाए रहने की भी संभावना है।

- ❖ हिमाचल प्रदेश में 02 तारीख को; बिहार में 04 और 05 जनवरी, 2026 को अलग-अलग जगहों पर ठंडे दिन की स्थिति रहने की बहुत संभावना है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में 03 और 04 तारीख को; पंजाब में 04-06 तारीख के दौरान; हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली में 03-06 तारीख के दौरान; राजस्थान में 08 और 09 जनवरी 2026 को अलग-अलग जगहों पर शीत लहर की स्थिति रहने की बहुत संभावना है।

पाला चेतावनी:

- ❖ 02 और 03 जनवरी, 2026 को उत्तराखंड के कुछ इलाकों में और 02 जनवरी, 2026 को मेघालय में पाला की स्थिति बनने की बहुत ज़्यादा संभावना है।

मछुआरों की चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 02 जनवरी से 07 जनवरी, 2026 के दौरान इन इलाकों में न जाएं:

बंगाल की खाड़ी: मन्नार की खाड़ी और उससे सटे, कोमोरिन इलाके के कुछ हिस्सों में 02 से 07 जनवरी 2026 के दौरान; श्रीलंका के तट के पास और उससे दूर, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों और उससे सटे दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में 02 से 04 जनवरी को न जाएं।

अरब सागर: सोमालिया के तट और उससे सटे समुद्री इलाकों में 02 से 07 जनवरी के दौरान न जाएं।

दिल्ली/एनसीआर में 02-05 जनवरी 2026 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

अनुलग्नक ।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	2- Jan	3- Jan	4- Jan	5- Jan	6- Jan	7- Jan	8- Jan
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	SCT
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
3	ASSAM & MEHGHALAYA	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

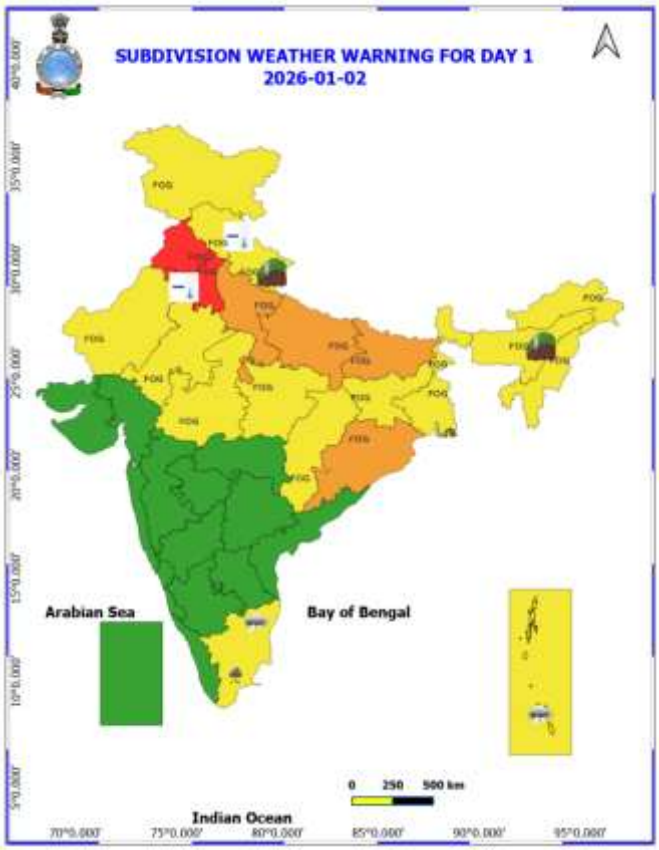
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-01-02
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

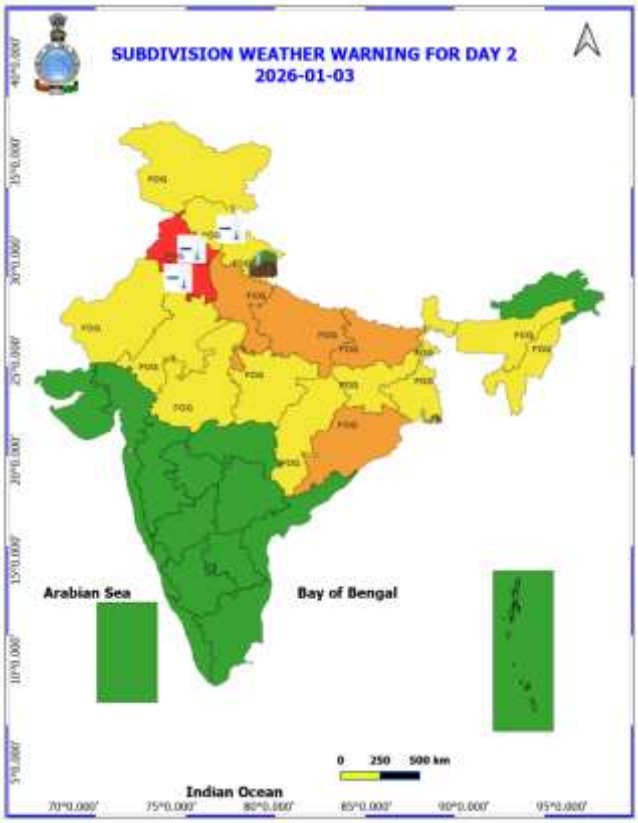
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-01-03
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

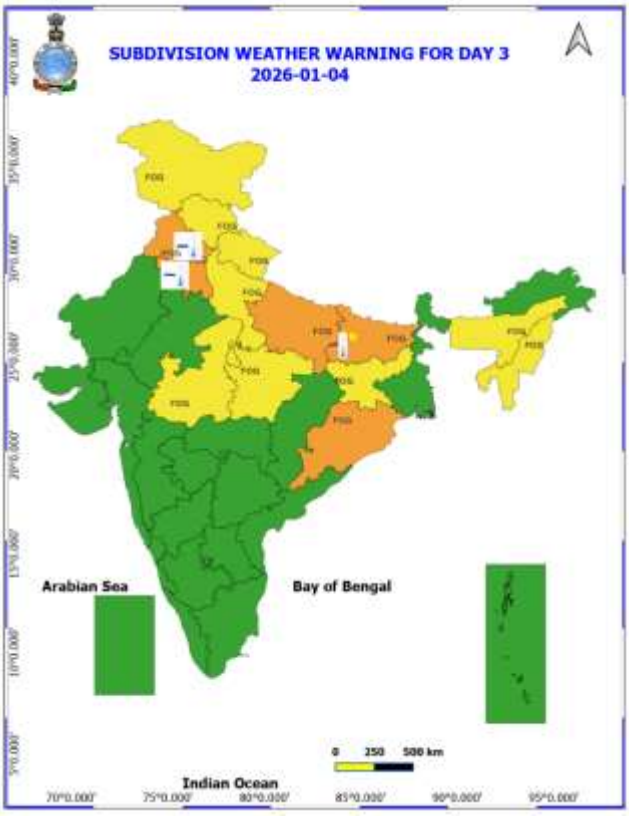
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-01-04
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

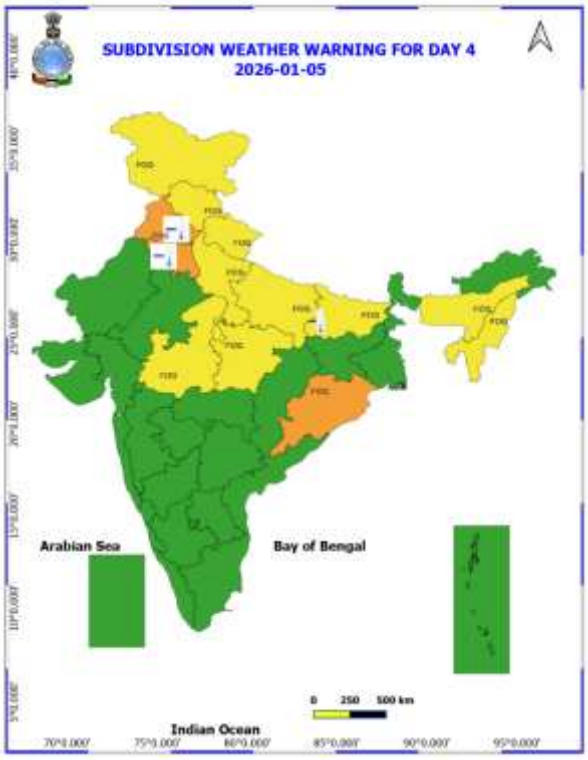

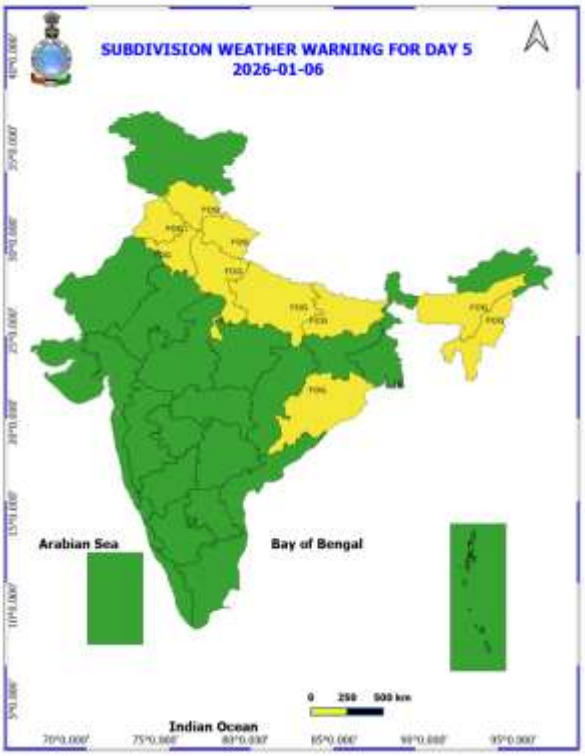

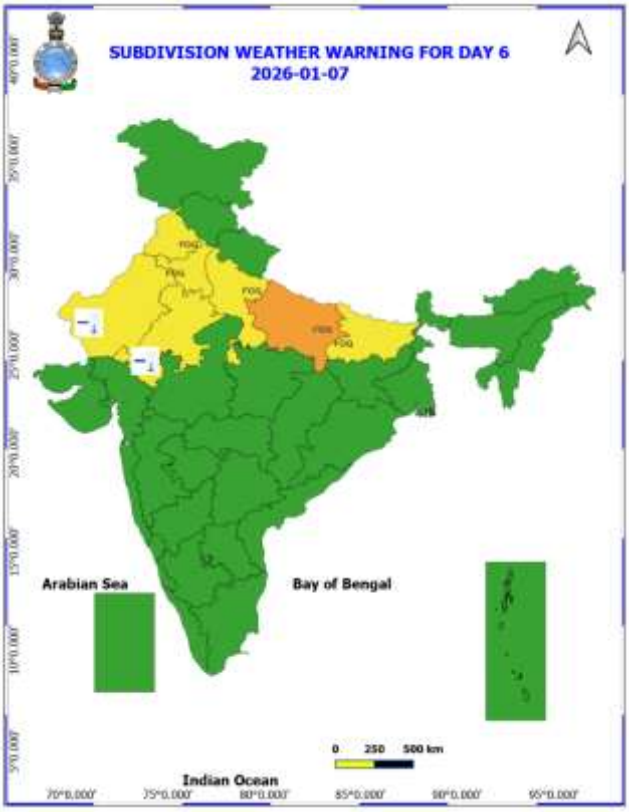

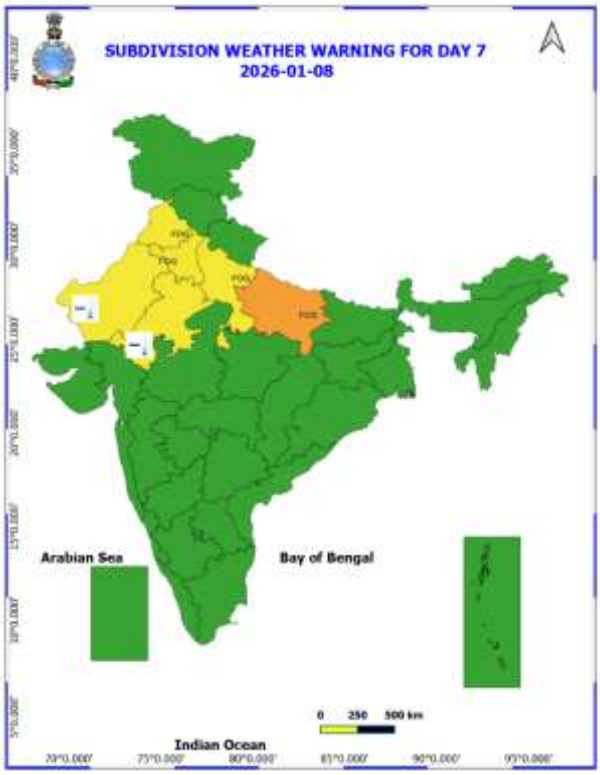

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

02 से 05 जनवरी 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में न्यूनतम तापमान में 1-2°C की गिरावट और अधिकतम तापमान में 2-3°C की बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 15°C से 17°C और 8°C से 9°C के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-5°C) और दिल्ली के कई हिस्सों में सामान्य से कम (-1.5°C से -3.0°C) रहा। सफदरजंग में 0130 से 0200 IST तक सबसे कम विजिबिलिटी 800m दर्ज की गई, जो इसके बाद आज, 02.01.2026 को 0230 IST पर 1200m हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान मुख्य रूप से आसमान साफ रहा, मध्यम से घना कोहरा छाया रहा, सतह पर हवा मुख्य रूप से पश्चिमी दिशा से 12 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। मुख्य रूप से आसमान साफ रहा। रात में हल्का कोहरा छाया रहा, और आज सुबह क्षेत्र में उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति 15 किमी प्रति घंटे तक पहुंच गई।

मौसम पूर्वानुमान:

02.01.2026: मुख्य रूप से आसमान साफ रहेगा। रात में धुंध/हल्का कोहरा रहेगा। अधिकतम तापमान 17°C से 19°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से कम (0.3°C से 2.3°C) रहेगा। दोपहर के समय सतह पर हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम गति से चलने की संभावना है। शाम और रात में हवा की गति कम हो जाएगी, उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

03.01.2026: मुख्य रूप से आसमान साफ रहेगा। सुबह के समय कई जगहों पर हल्का कोहरा और कुछ जगहों पर घना कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17°C से 19°C और 6°C से 8°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा, और दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से ज़्यादा (0.3°C से 2.3°C) रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटा से कम होगी। दोपहर में हवा की गति बढ़ेगी, और उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी। शाम और रात में हवा की गति कम हो जाएगी, और उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

04.01.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय कई जगहों पर हल्का कोहरा और कुछ जगहों पर घना कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 18°C से 20°C और 6°C से 8°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा, और दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटा से कम होगी। दोपहर में हवा की गति बढ़ेगी, और उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा हो जाएगी। शाम/रात में हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटा तक कम हो जाएगी।

05.01.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 18°C से 20°C और 7°C से 9°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से ज़्यादा (0.1°C से 2.1°C) रहेगा, और दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। सतह पर मुख्य हवा पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय धीरे-धीरे बढ़कर 10 किमी प्रति घंटा तक पहुँच जाएगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर 15 किमी प्रति घंटा हो जाएगी, और फिर शाम/रात में उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटा तक कम हो जाएगी।

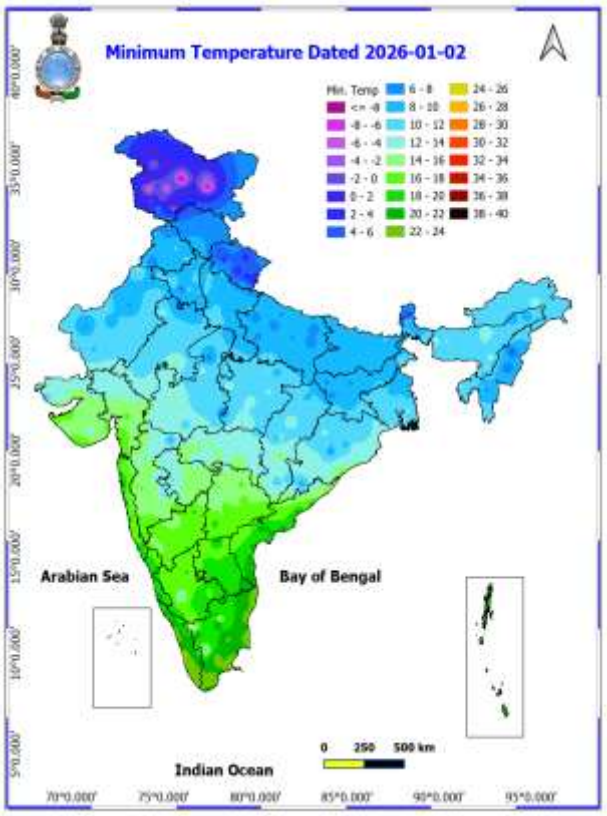

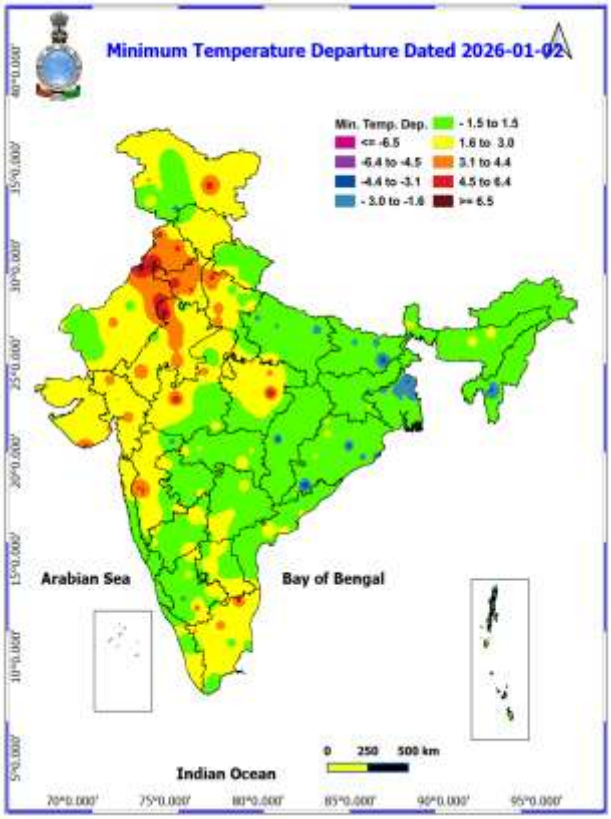

रात/सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है:

- ❖ पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में 07 तारीख तक; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 05 तारीख तक; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 05 तारीख तक और 08 और 09 तारीख को; ओडिशा में 06 जनवरी, 2026 तक रात/सुबह के घंटों में कई/कुछ जगहों पर घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है।
- ❖ जम्मू डिवीजन, उत्तरी मध्य प्रदेश में 06 तारीख तक; हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 07 तारीख तक; पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में 08 और 09 तारीख को; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 06-09 तारीख के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 06 और 07 तारीख को; राजस्थान, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 03 और 04 तारीख को; झारखंड में 05 तारीख तक; ओडिशा में 07 तारीख को; अरुणाचल प्रदेश में 03 तारीख तक और बिहार में 08 जनवरी 2026 तक रात/सुबह के घंटों में अलग-अलग जगहों पर घना कोहरा छाए रहने की भी संभावना है।

❖ परिवहन और विमानन:

- मौसम उप-विभाग के अंतर्गत आने वाले कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।
- यातायात कठिन हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- एहतियाती उपाय न अपनाने पर सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

❖ बिजली क्षेत्र:

- बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

❖ मानव स्वास्थ्य:

• फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।

• अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।

• आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

सुझाई गई कार्रवाई:

❖ परिवहन और विमानन:

- वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
- वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
- अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

- रखरखाव टीम को तैयार रखना।
- मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

शीत लहर की परिस्थितियों के कारण संभावित प्रभाव: 03 और 04 जनवरी 2026 को हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में; 04 से 06 जनवरी के दौरान पंजाब में; 03 से 06 जनवरी के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में; और 08 और 09 जनवरी को राजस्थान में शीतलहर की स्थिति रहेगी।

- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।
- कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- ❖ जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ❖ ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- ❖ पशुधन को ठंड से बचाएं।

शीत दिवस की परिस्थितियों के कारण संभावित प्रभाव: 02 जनवरी को हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में और 04 और 05 जनवरी, 2026 को बिहार में शीत दिवस की स्थिति रहेगी।

लंबे समय तक शीत दिवस के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।

- कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- पशुधन को ठंड से बचाएं।

शीत लहर / सतह पाला/ कम तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा** और **मेघालय** में, खड़ी फसलों को निम्न तापमान के प्रतिकूल प्रभाव या शीत क्षति से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और नियमित अंतराल पर सिंचाई करें। मृदा में पर्याप्त तापमान बनाए रखने के लिए मल्चिंग का प्रयोग करें और सब्जियों की नर्सरी और फलों के छोटे पौधों को पुआल या पॉलीथीन शीट से ढक दें।
- **तमिलनाडु** में, खड़ी फसलों और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।

पशुपालन / मुर्गीपालन

- रात के समय पशुओं को शेड के अंदर रखें और ठंड से बचाने के लिए उन्हें सूखा बिस्तर उपलब्ध कराएं।
- मुर्गी शेड में कृत्रिम प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर चूजों को आवश्यक ऊष्मा प्रदान करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **बागवानी** फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा: >**204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

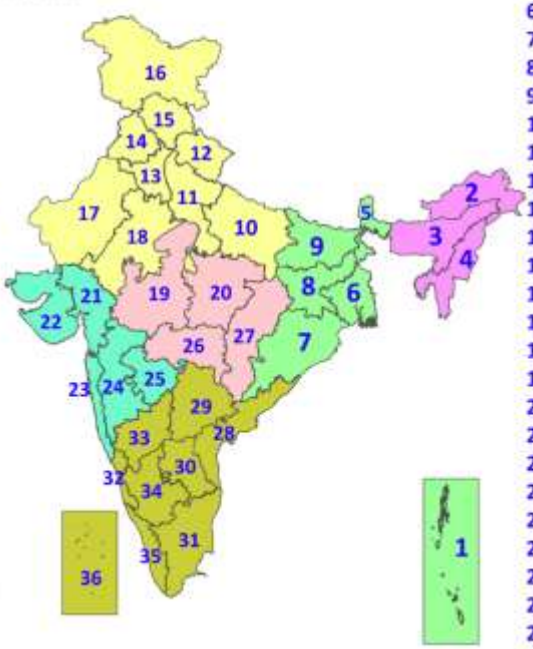

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)